फार्मर फर्स्ट परियोजना वी.यू. के अंर्तगत पशु स्वास्थ्य उपचार शिविर का आयोजन

आज दिनांक 03 अगस्त 2019 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत अंगीकृत ग्राम पड़रिया में डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा एवं डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के निर्देशन में आयोजित हुआ। इस शिविर में 75 गायों, 06 भैसों, 38 बकरे–बकरीयों व 01 श्वान का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें पशुओं के घाव, बकरीयों में माता महामारी (पी.पी.आर), भूख की कमी, दुग्ध उत्पादन में कमी, मादा पशुओं का गर्मी में न आना, मल में रक्त आदि पशु रोगों का निदान करते हुए, कुल 120 पशुओं को उपचारित किया गया। इस कार्यक्रम के पूर्व दिवस पशु चिकित्सा विभाग के कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, पड़रिया के सौजन्य से दो ग्रामों पड़रिया ग्राम में कुल 100 व ग्राम छत्तरपुर में 131 पशुओं में गलघोंटू/लंगड़ा बुखार का टीकाकरण पशुचिकित्सा सहायक शल्यज्ञों की सहभागिता से किया गया। इस अवसर पर पशुओं के स्वास्थ्य व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु खनिज लवण का निःशुल्क वितरण किया गया, साथ ही पशु स्वास्थ्य व रोकथाम की तकनीकी जानकारियों व उन्नत पशुपालन संबंधी साहित्य सामग्रीयों का भी वितरण किया गया। इस शिविर में डॉ. ए.के. गौर, प्रमुख अन्वेषक, (फार्मर फर्स्ट परियोजना पशु उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग), डॉ. नितिन बजाज (मादा पशु प्रजनन विभाग), डॉ. सुमन कुमार (पशु परजीवी विभाग), डॉ. ब्रजेश सिंह (पशु औषधि विभाग), डॉ. हरि आर (पशु विस्तार शिक्षा विभाग), डॉ. दानवीर यादव (पशु उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग), डॉ. रश्मि विश्वकर्मा (पशु विस्तार शिक्षा विभाग), डॉ. मंजू साहू (पशु विस्तार शिक्षा विभाग) एवं श्री विजय चौकसे व श्री आशीष यादव (क्षेत्र सहायक) एवं महाविद्यालय के बी.व्ही.एस.सी एंड ए.एच अंतिम वर्ष के अध्ययनरत् 13 छात्र–छात्राओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता का निर्वाहन किया। इस पशु स्वास्थ्य उपचार शिविर में श्री सुरजीत पटेल, सरपंच, ग्राम पंचायत, पड़रिया, विजेता गुरू (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी) व विनोद पटेल का योगदान सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)